



माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English
(In Figures)

(In Words) _____

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में
शब्दों में _____

नोट :- परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम - हिन्दी अंग्रेजी

विषय भूगोल

परीक्षा का दिन बुधवार

दिनांक March 13, 2019

नोट :- परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :- (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में ताल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15 $\frac{1}{4}$ को 16, 17 $\frac{1}{2}$ को 18, 19 $\frac{3}{4}$ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)			
प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर _____ संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमचोव कामज ही उपयोग में लिया है। 165/2019

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशाषां पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न-पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न-पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
 - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
 - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
 - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
 - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्यामेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस-पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
 - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न-पत्र हिन्दी-अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।



परीक्षक द्वारा प्रदान अंक

परीक्षार्थी उत्तर

प्रश्न संख्या - 1093128

पृष्ठ संख्या - 1093128

उत्तर

1 नव नियतिवाद (स्कौ और जामो) विचारधारा ग्रिफिथ टैक्स ने प्रतिपादित की।

उत्तर

2 एस्कियो के जीवनयापन में सील मछली के दो उपयोग -
i) सील मछली की हड्डिया आजार बनने में संबंध धारण करते हैं।
ii) सील मछली की खाल से ऊष्मा प्रदान करने वाले वस्त्र बनाये जाते हैं।

उत्तर

3. विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश चीन है।

उत्तर

4. ग्रामीण क्षेत्रों में नदी तट पर प्रायः रेखीय प्रकार के अधिवास विकसित होते हैं।

उत्तर

5. महानगर एवं वृहत नगर में अंतर

	महानगर	वृहत नगर
i)	महानगर की जनसंख्या दस लाख से अधिक होती है।	वृहत नगर की जनसंख्या पचास लाख से अधिक होती है।
ii)	इन्हें <u>मेसिली</u> कहा जाता है।	इन्हें <u>मेगापोलिसिस</u> कहा जाता है।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	उदाहरण - जयपुर।	उदाहरण - टोकियो।
	उत्तर	
	6. विश्व का व्यस्ततम समुद्री मार्ग <u>अटलांटिक महासागरीय मार्ग</u> है।	
	उत्तर	
	7. द्विपार्श्विक और बहुपार्श्विक व्यापार में अंतर -	
	i) किन्हीं दो के मध्य आयात निर्यात के फलस्वरूप होने वाला व्यापार द्विपार्श्विक कहलाता है।	अधिक देशों (दो से) के मध्य सम्पन्न होने वाला व्यापार बहुपार्श्विक व्यापार है।
	ii) द्विपार्श्विक व्यापार दोतरफा होता है।	बहुपार्श्विक व्यापार के अनेक पक्ष होते हैं।
	- द्विपार्श्विक व्यापार में दो देशों की आपसी सहमति आवश्यक होती है।	
	- बहुपार्श्विक व्यापार में कोई देश किसी अन्य देश के व्यापार से प्रभावित होकर उसे MFN (मनपसंदीदा राष्ट्र) का स्थान देता है।	
	उत्तर	
	8. मानव विकास रिपोर्ट के अनुसार 2013 में विश्व में भारत 138वां स्थान रखता है।	



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

2018 के अनुसार - 130 वां स्थान

उत्तर

9. नव्यकरणीय और अनव्यकरणीय संसाधनों में अंतर

नव्यकरणीय	अनव्यकरणीय
ऐसे संसाधन जिन्हें एक बार उपयोग में लेने के पश्चात् पुनः भौतिक, रासायनिक तथा यांत्रिक क्रियाओं द्वारा उत्पन्न नहीं किया जा सकता है।	ऐसे संसाधन जिन्हें एक बार उपयोग में लेने के बाद यांत्रिक, भौतिक एवं रासायनिक क्रियाओं द्वारा पुनः निर्मित किया जा सकता है।

ii) ये समाप्त होते हैं।
 iii) उदाहरण - जल, वायु, लकड़ी, आदि।
 उदाहरण - पेट्रोलियम, कोयला, लकड़ी, आदि।

10. अनुसूचित जाति का एक गरीब व्यक्ति भारत सरकार की प्रधानमंत्री जन आवास योजना के अन्तर्गत आवास निर्माण हेतु आर्थिक सहायता प्राप्त कर सकता है।

11. राजस्थान में जनजातियों की आर्थिक दृष्टि से सुधार हेतु दो उपाय -

i) विकास कार्यक्रम संचालन :- सरकार द्वारा जनजातीय विकास कार्यक्रम, जनजाति युवा रोजगार योजना आदि कार्यक्रमों का संचालन वृहत-स्तर

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थ उत्तर

पर किया जाना चाहिए जिससे जनजाति के लोगों का आर्थिक स्तर सुदृढ़ हो सके। ✓

2) शिक्षा प्रसारित करके निजी एवं सरकारी संस्थाओं द्वारा जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा का प्रसार एवं जागरूकता प्रसारित करनी चाहिए जिससे जनजातीय लोग अधिकाधिक रोजगार प्राप्त करे एवं सरकारी नीतियों के प्रति सचेत होकर अपना आर्थिक विकास सुनिश्चित कर सके। ✓

उत्तर 12 जोधपुर - के एक हस्तशिल्प व्यापारी के लिए अपना माल निर्यात करने हेतु कांडला बंदरगाह सर्वाधिक लाभकारी रहेगा।

क्योंकि -

- i) कांडला बंदरगाह (गुजरात) सर्वाधिक निकट है।
- ii) कांडला बंदरगाह तक परिवहन सरलता से उपलब्ध है।
- iii) कांडला बंदरगाह समय की दृष्टि से भी लाभदायक है।
- iv) कांडला बंदरगाह अन्य भारतीय बंदरगाहों की दृष्टि से कम दूरी वाला है।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक प्रश्न संख्या परीक्षार्थी उत्तर

13. भारत में सौर ऊर्जा के विकास हेतु उपलब्ध अनुकूल भौगोलिक परिस्थितियाँ निम्न हैं।

i) भारत में वर्ष के अधिकांशतः दिन सूर्य के प्रकाश से लाभान्वित रहते हैं।

ii) भारत में औसत वर्षा का कम होना सौर ऊर्जा के विकास हेतु लाभदायक है।

iii) उष्ण कटिबंधीय भाग में अवस्थिति (भारत) के कारण सूर्य की सीधी किरणें अत्यधिक ऊष्मा प्रदान करती हैं।

उत्तर

14. एस्कमो जनजाति - ✓

1) निवास गृह -

- एस्कमो जनजाति के घर बर्फ से बने होते हैं, जिन्हें 'इगलू' कहा जाता है।

- घरों के भीतरी तरफ में शीलिंग मछली की खाल लगी होती है जो ठंड से बचाव करती है।

- इनके घर 2-3 फीट ऊँचे एवं चौड़े प्रवेश द्वारा वाले होते हैं।

- एस्कमो साइबेरिया, उत्तरी कनाडा, दूरदूरी प्रदेशों में पाये जाते हैं।

2) वस्त्र -

i) एस्कमो लोग सर्दियों से बचाव हेतु एक जसीनुमा बाह्य वस्त्र पहनते हैं, जिसे 'तिमियाक' कहते हैं।



परीवाक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीवार्षी उत्तर
	11)	तिमियाक के अपर पहने जाने वाला वस्त्र 'अनोहक' कहलाता है।
	12)	निवास गृह
	i)	भूलों के घर / कु - टापरा कहलाते हैं।
	ii)	इनके गाँवों को 'पाल' कहते हैं।
	iii)	ये मुख्यतः राजस्थान के डूंगरपुर, बांसवाड़ा आदि जिलों में पाये जाते हैं।

2) वस्त्र

i) भूल महिलायें धाधरा - चोली, ओढ़नी आदि पहनती हैं जबकि पुरुष धोती - साफा पहनते हैं।

ii) बाहरी समाज से सम्पर्क के कारण इनके वस्त्रों पर आधुनिकता का प्रभाव देखा जा सकता है।

उत्तर

जनसंख्या
15. दस लाख और पांच हजार वर्ग कि.मी. वाले जिले का जनसंख्या घनत्व - 15

$$\text{जनघनत्व} = \frac{\text{जनसंख्या}}{\text{क्षेत्रफल}}$$

100,00,000
5000



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक प्रश्न संख्या

परीक्षाओं उत्तर

व्याप्ति कि.मी. = 200
अतः जनघनत्व 200 व्याप्ति प्रति की किमी. है।

उत्तर

16. मुम्बई की धारावी बस्ती के सामाजिक - आर्थिक परिपृश्य की विशेषताएँ -

- i) धारावी बस्ती में सड़के अत्यंत संकीर्ण एवं परिवहन व्यवस्था के विपरीत है।
- ii) धारावी बस्ती में एक परिवार के कई लोग एक छोटे कमरे में रहकर अपना जीवन-यापन करते हैं।
- iii) धारावी बस्ती मुख्य शहर से दूर गंदी जगहों एवं स्वास्थ्य के लिए हानिकारक प्राकृतिक वातावरण में अवस्थित है।
- iv) धारावी बस्ती के लोग स्थानीय स्तर पर सिलाई, जूते-निर्माण, कलाकृति निर्माण, चित्रकारी आदि आर्थिक क्रियाएँ करते हैं।

उत्तर

17. दुग्ध कृषि एवं एक फार्मिंग में अंतर -

- | | |
|--|--|
| i) दुग्ध कृषि दुग्ध उत्पादन से संबंधित है। | एक फार्मिंग फसल उत्पादन से संबंधित है। |
| ii) दुग्ध कृषि का उत्पादक स्थल उथरी होती है। | एक फार्मिंग में दूध (परिवहन-साधन) में ही उत्पादन किया जाता है। |
| iii) दुग्ध कृषि में नगरों की | एक फार्मिंग में नगरों की |



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	उत्पादक स्थल से दूरी का प्रभाव नगण्य होता है।	परीभाषी उत्तर उत्पादक स्थल से दूरी का प्रभाव पड़ता है।
13	iv)	दूध की गुणवत्ता में सुधारात्मक कार्य किये जाते हैं।	इस फार्मिंग में दूधों के माध्यम से नगरी तक सब्जियाँ - फलों आदि पहुँचाये जाते हैं, अतः उपर्युक्त फसलों की गुणवत्ता बर्धने हेतु कार्य किये जाते हैं।

उत्तर 18. अम्लीय वर्षा के दुष्प्रभाव को रोकने हेतु उपाय -

- i) संबंधित उत्तरदायी कारकों पर रोक - अम्लीय वर्षा कारक (सल्फाईड, नाइट्रेट, अमोनिया) के लिए उत्तरदायी प्रयोग पर रोक लगायी जानी चाहिए।
- ii) रासायनिक कीटनाशकों का कम से कम प्रयोग - कृषि प्रयोग होने वाले रासायनिक कीटनाशकों के लिए वर्षा के तत्काल विद्यमान होते हैं, काफ़ी कम से कम प्रयोग किया जाना चाहिए।
- iii) अम्लीय वर्षा के दुष्प्रभावों के संबंध में विस्तारित कार्य - अम्लीय वर्षा के जगह में जागरूकता एवं मानव जीवन एवं



परिभाषा उत्तर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

10

प्राकृतिक क्षेत्र पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के विषय में जागरूकता लाकर अम्लीय वर्षा को कम करने में सहयोग प्राप्त करना चाहिए।

iv) वृक्षारोपण :- अधिकाधिक वृक्षारोपण किया जाना चाहिए, जिससे वातावरण शुद्ध रहे एवं अम्लीय वर्षा का प्रभाव कम हो।

उत्तर

19. भारत में नगरीकरण के नियंत्रण हेतु उपाय -

i) नगरीकरण का सबसे महत्वपूर्ण कारण है - रोजगार। अतः ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के साधन उपलब्ध करवाये जाने चाहिए।

ii) उच्च एवं गुणवत्ता युक्त शैक्षणिक केन्द्रों की ग्रामों में स्थापना की जानी चाहिए जिससे उच्च शिक्षा के लिए शहरों की ओर प्रवास न हो।

iii) ग्रामीण विकास कार्यक्रमों एवं नीतियों का सुदृढ़ तरीके से क्रियान्वन किया जाना चाहिए जिससे वहाँ का सामाजिक, सांस्कृतिक विकास संभव हो सके।

iv) स्थानीय स्तर पर औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना चाहिए।

उत्तर

20. यातायात के अन्य साधनों में मंछा होते हुए भी वायु यातायात अपरिहार्य है क्योंकि -



परीक्षक द्वारा प्रश्न/अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	i) प्राकृतिक आपदाओं में राहत	:- वायु यातायात एक मात्र यातायात साधन है जो प्राकृतिक आपदाओं के समय राहत कार्य <u>बिध्नतिबिध्न</u> पहुँचाता है।
	ii) तीव्र पहुँच	:- वायु परिवहन कम समय में अधिक दूरी तय करने के कारण तीव्र पहुँच वाला साधन है।
	iii) भार वहन क्षमता की अधिकता	:- अन्य यातायात साधनों की अपेक्षा वायु यातायात अधिक भारवाहक परिवहन साधन है।
	iv) अन्तर्राष्ट्रीय पहुँच	:- वायु यातायात अन्तर्राष्ट्रीय पहुँच को भी संभव बनाता है।
उत्तर	21.	
	i) निरपेक्ष एवं सापेक्ष गरीबी में अंतर	निरपेक्ष गरीबी में व्यक्ति अपनी न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति न कर पाये तो वह स्थिति निरपेक्ष गरीबी है।
	ii) निरपेक्ष गरीबी का आधार	सापेक्ष गरीबी में व्यक्तिगत आधार पर आय की असामंता पायी जाती है।
	iii) निरपेक्ष गरीबी का आधार	निरपेक्ष गरीबी का आधार जीवन निर्वाह होता है। सापेक्ष गरीबी का आधार आर्थिक स्तर होता है। निरपेक्ष गरीबी आधारभूत सापेक्ष गरीबी आर्थिक विकास न

Sl.No. : 008840

नामांक

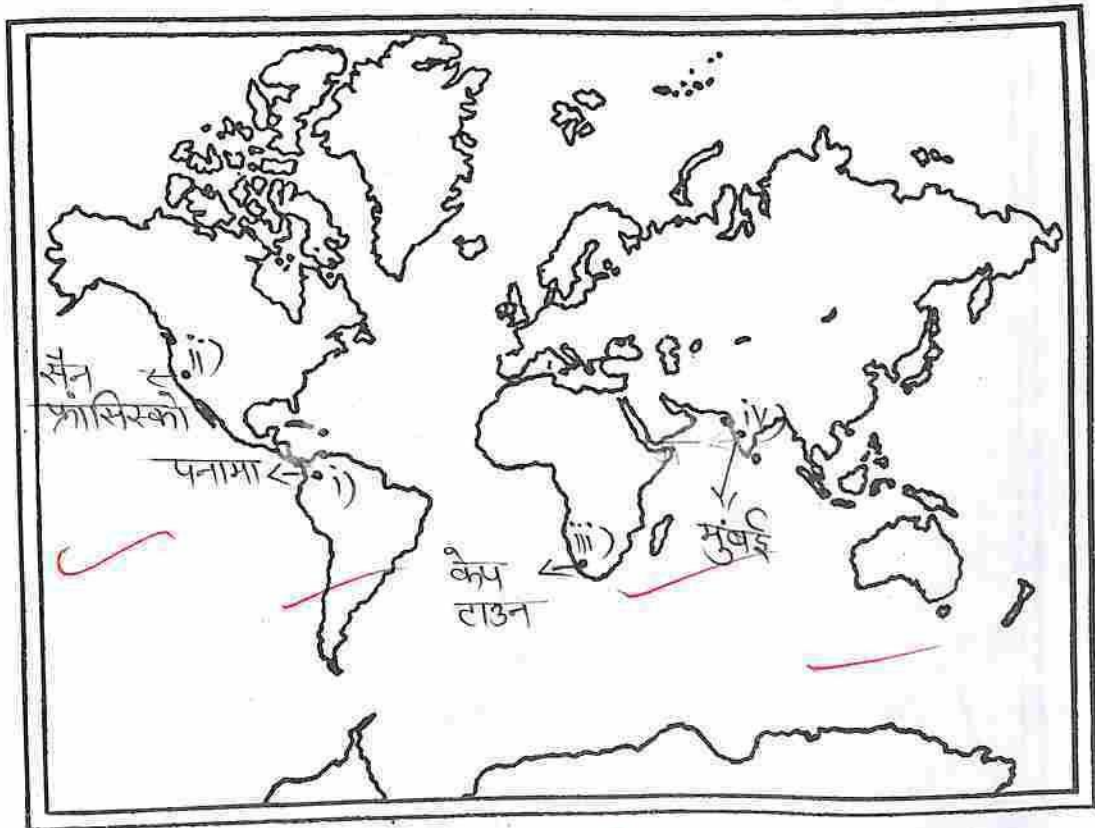
Roll No.

2	9	1	4	8	3	7
---	---	---	---	---	---	---

SS-14-Geog.

Ans 22

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2019
SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2019
Subject : GEOGRAPHY



1309

SS-14-Geog.

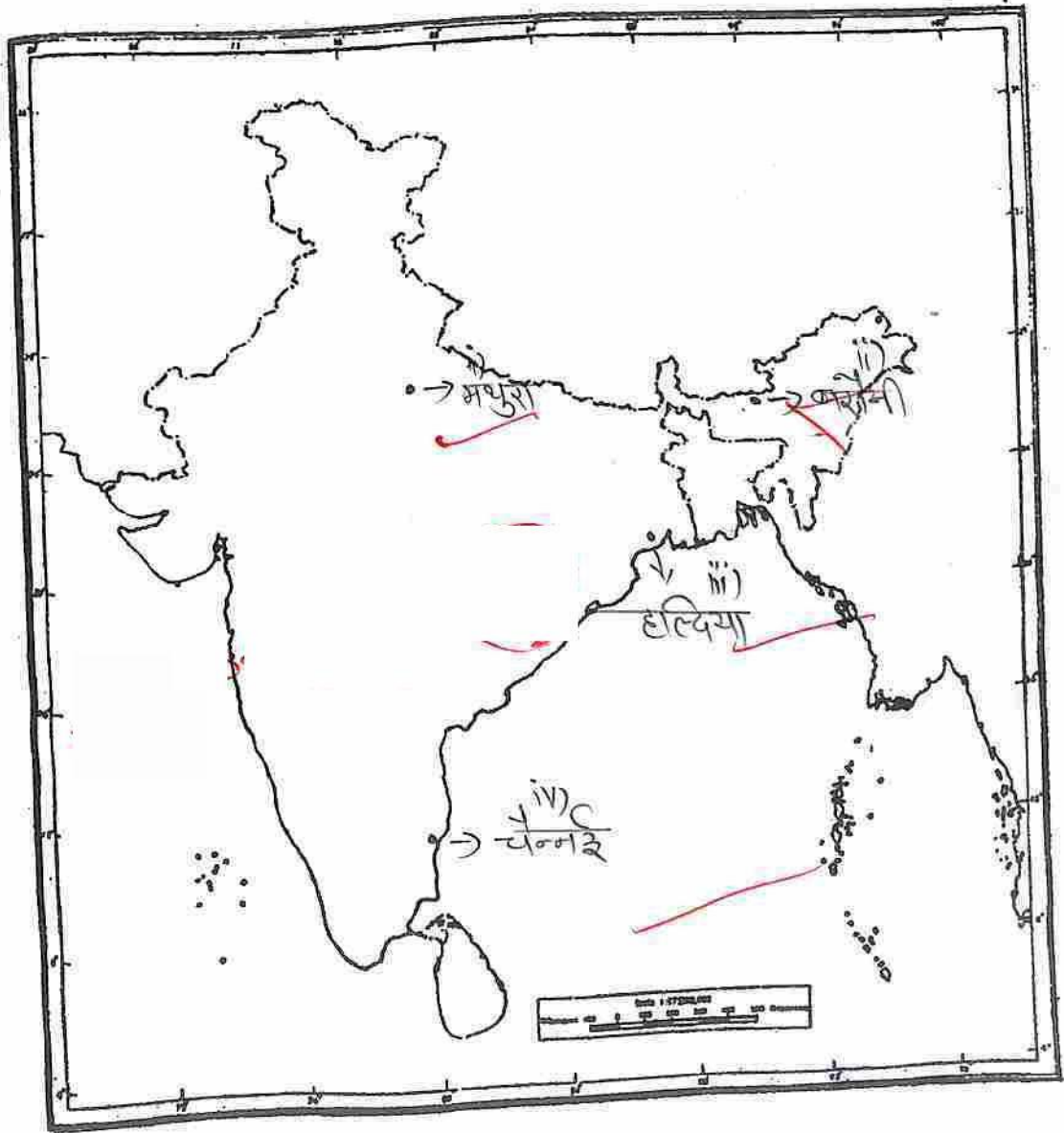
Sl.No. : 008840

नामांक		Roll No.				
2	9	1	4	8	3	7

SS-14-Geog.

Ans 23

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2019
SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2019
Subject : GEOGRAPHY



1309

SS-14-Geog.

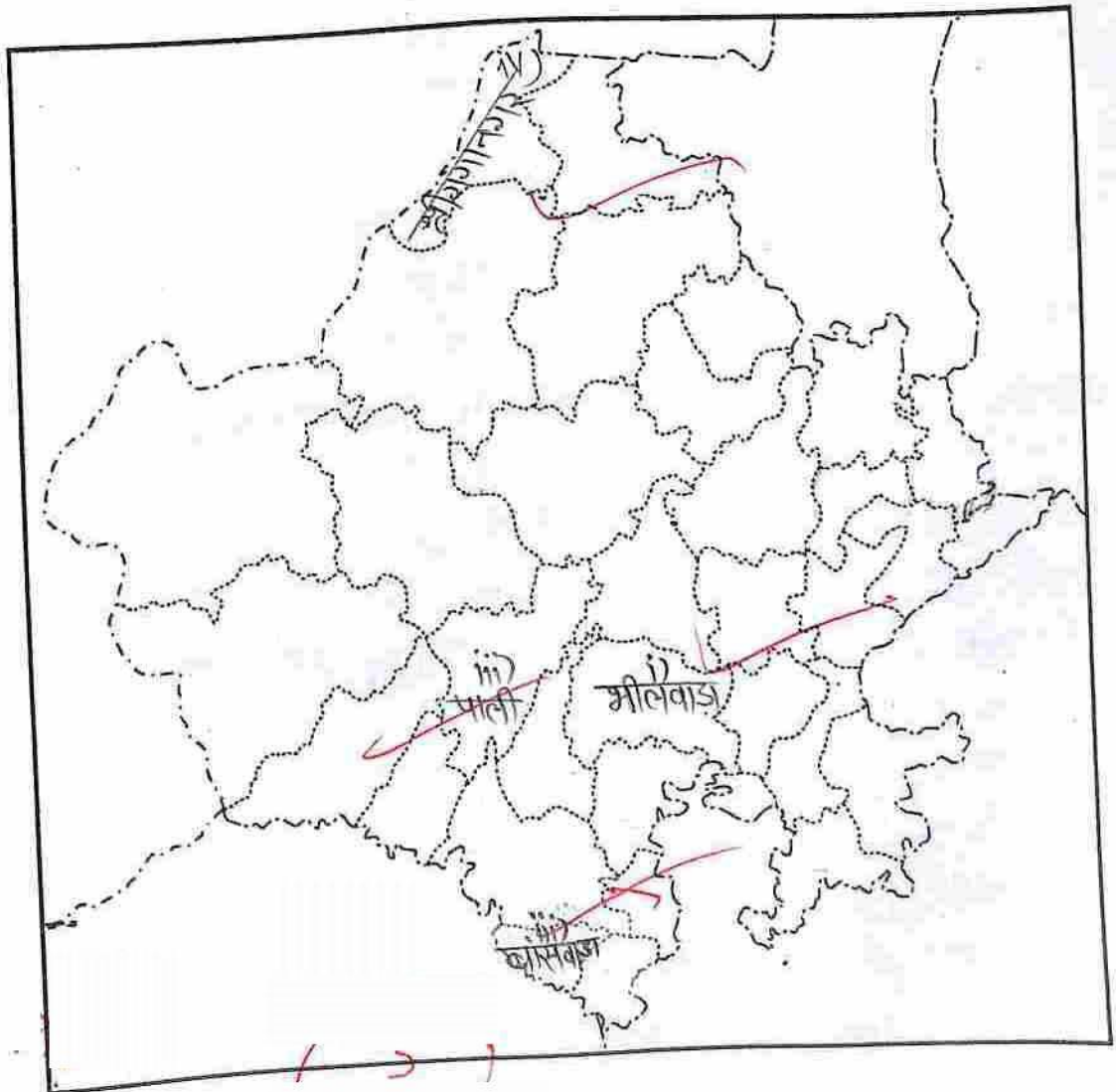
Sl.No. : 008840

नामांक			Roll No.			
2	9	1	4	8	3	7

SS-14-Geog.

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2019
SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2019
Subject : GEOGRAPHY

Ans 24



1309

SS-14-Geog.



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थ उत्तर
		विकास न होने का द्योतक है।
		है।
उत्तर		
22	मानचित्र - विश्व	
उत्तर		
23	मानचित्र - भारत	
उत्तर		
24	मानचित्र - राजस्थान	
उत्तर		
25	गत शताब्दी जनसंख्या में अप्रत्यासित वृद्धि के उत्तरदायी कारक -	
i)	मृत्यु दर में गिरावट :- गत शताब्दी में चिकित्सा सुविधायें बढ़ने एवं चिकित्सा के क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि ने मृत्यु दर में गिरावट दर्ज की है जिससे जनसंख्या वृद्धि हुई है।	
ii)	बढ़ता नगरीकरण :- रोजगार, शिक्षा एवं अन्य सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक के कारण हुये प्रवास ने नगरीकरण की प्रवृत्ति को बढ़ाया है जिससे जनसंख्या वृद्धि सुनिश्चित हुई है।	
iii)	शिक्षा का निम्न स्तर :- तात्कालिक समय में शिक्षा का न्यूनतम स्तर एवं जनसंख्या	



परीक्षक द्वारा प्रश्न संख्या

परिभाषा उत्तर

वृद्धि के दुष्परिणामों की जानकारी की अनुपस्थिति भी जनसंख्या वृद्धि के लिए उत्तरदायी रही है।

उत्तर

26. भारत में निवास करने वाले प्रजातीय समूह -

i) निग्रीती :- इनका आगमन अफ्रीका महाद्वीप से माना जाता है। इनका रंग गहरा, बाल धुंधले, होठ चपटे, आँखें भूरी होती हैं।

ii) मंगोलोइड :- कुछ विद्वान इन्हें मूलतः भारतीय एवं कुछ विदेशी मानते हैं। इनका रंग पीलापन लिये हुये, आँखें बादामी आकार की होती हैं।

iii) प्रौले ऑस्ट्रोलाइड :- इनका आगमन भूमध्य सागरीय प्रदेशों से माना जाता है।

iv) भूमध्य सागरीय :- इन्हें भारत के मूल निवासी माना जाता है।

v) चौड़े सिर वाली प्रजाति :- इन्हें भारत में विदेशी स्वरूप में स्वीकारा गया है।

vi) नार्डिक :- यह भारत में सबसे अंत में आने वाली प्रजाति है।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

उत्तर

27.

i)

ii)

iii)

iv)

v)

vi)

मत्स्य उद्योग हेतु नवीन प्रयासों का विकास अनेक नीतियों व कार्यक्रमों के द्वारा किया जा रहा है।

भारत में मत्स्य उद्योग हेतु विदेशी कंपनियों का सहज स्वागत एवं उनसे योगदान प्राप्त करवाया जा रहा है।

तटीय प्रदेशों के लोगों को मत्स्यपालन में अधिकाधिक भागीदारी बढ़ायी जा रही है।

मत्स्य पालन के लिए अनुकूलतम भौगोलिक स्थिति एवं पर्यावरण प्रदूषण रहित स्थिति का विकास किया जा रहा है।

अधिकाधिक मत्स्य मण्डारण के लिए प्रशीतलन भण्डार गृह स्थापित किये जा रहे हैं।

मत्स्य उद्योग विकास हेतु मत्स्य प्रजनन भूमता, वंश-प्राप्ति, मोती निर्माण आदि में आवश्यकतानुसार आर्थिक व्यय किया जा रहा है।

प्रश्न

85

अनेक

प्रश्न

85

प्रश्न

85

प्रश्न

85

प्रश्न

85

प्रश्न

85

प्रश्न

85

प्रश्न

85



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर

28. मानव व्यवसायों का वर्गीकरण -

i) प्राथमिक व्यवसाय (प्राकृतिक)

ii) द्वितीयक व्यवसाय (विनिर्माण)

iii) तृतीयक व्यवसाय (सेवा)

iv) चतुर्थक व्यवसाय (अनुसंधान)

v) पंचम व्यवसाय (आंकड़ों की व्याख्या)

i) प्राथमिक व्यवसाय :- प्राथमिक व्यवसायों में वे समस्त क्रियाएँ सम्मिलित हैं जो प्रत्यक्षतः प्रकृति द्वारा संचालित होती हैं।
 उदाहरण -> पशुपालन, मत्स्यपालन आदि।

ii) द्वितीयक व्यवसाय :- प्राथमिक व्यवसायों से प्राप्त कच्चे माल को यांत्रिक व भौतिक क्रियाओं द्वारा अधिक गुणवत्ता युक्त बनाये जाने संबंधित कार्य द्वितीयक व्यवसाय के अंतर्गत आते हैं।
 उदाहरण -> विनिर्माण उद्योग, चीनी उद्योग।

iii) तृतीयक व्यवसाय :- इसे सेवा व प्रत्यक्ष क्षेत्रक भी कहते हैं। मानव द्वारा पहुँचायी जाने वाली सेवाओं का इनमें सम्मिश्रण किया जाता है।
 उदाहरण -> बैंकिंग, परिवहन आदि।

iv) चतुर्थक व्यवसाय :- चतुर्थक व्यवसाय में अनुसंधान, सूचना, खोज आदि संबंधित क्रिया सम्पादित होती हैं। इसे अप्रत्यक्ष क्षेत्रक भी कहते हैं।



रीसक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

उदाहरण -> कस दलाली फर्म, शिक्षा आदि।

5) पंचम व्यवसाय :- किसी क्षेत्र विशेष के आंकड़ों का निर्माण, पुनर्गठन, व्याख्या आदि संबंधित क्रियाएँ सम्मिलित होती हैं।
उदाहरण -> परामर्शदाता, निर्देशक, आदि।

उत्तर

29. जैविक कृषि की निम्नलिखित विशेषताओं के कारण हम अपने गांव के किसानों को इसे अपनाने हेतु प्रेरित करेंगे।

i) प्राकृतिक तत्वों पर आधारित :- जैविक कृषि में खाद प्राकृतिक तत्वों पर आधारित होती है जो भूमि की उर्वरता पर अनुकूल प्रभाव डालती है।
उदाहरण -> वर्मी कम्पोस, नीम केक आदि।

ii) लम्बे समय तक गुणवत्ता बनाये रखने में सहायक :- जैविक कृषि रासायनिक खाद की तुलना में अधिक समय तक भूमि की गुणवत्ता बनाये रखती है।

iii) मनुष्य व प्रकृति पर अनुकूल प्रभाव :- जैविक कृषि मानव स्वास्थ्य एवं फसल उत्पादन पर विपरीत प्रभाव नहीं डालती है।

iv) खेतों में निर्माण :- जैविक कृषि में खाद का निर्माण

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परिणाम उत्तर

खेतों में प्राकृतिक शुद्ध रूप से होता है जो फसलों के लिए लाभदायक रहता है।

v) उत्पादन वृद्धि में सहायक :- जैविक कृषि फसल उत्पादन में रासायनिक कृषि की अपेक्षा तुलनात्मक रूप से सहायक होती है, किंतु इसमें समय अधिक लगता है एवं परिणाम अनुकूल होते हैं।

vi) पानी का कम उपयोग :- जैविक कृषि में पानी का कम उपयोग किया जाता है।

vii) मशीनों का न्यूनतम प्रयोग :- जैविक कृषि में मशीनों का कम से कम प्रयोग होता है जिससे अधिकाधिक रोजगार की अवसर उपलब्ध होते हैं।

viii) मानव स्वास्थ्य का विकास :- जैविक कृषि अपनी गुणवत्ता के कारण मनुष्य के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव नहीं पड़ने पती है।



परीक्षक द्वारा प्रश्न अंक	प्रश्न संख्या	
		उत्तर
30.		<p>चम्बल नदी घाटी परियोजना - चम्बल नदी घाटी परियोजना राज्य सरकारों की एक प्रभावी जलयोजना है जिसका निर्माण 1952-54 ई. के मध्य किया गया है।</p> <p>i) <u>साझेदार राज्य :-</u> चम्बल नदी घाटी परियोजना मध्य-प्रदेश एवं राजस्थान दोनों राज्यों की संयुक्त परियोजना है। चम्बल का उद्गम मध्य-प्रदेश होने के कारण एवं प्रवाह क्षेत्र राजस्थान में होने के कारण दोनों राज्यों की आधी-आधी हिस्सेदारी सुनिश्चित की गई है।</p> <p>ii) <u>उद्देश्य :-</u> चम्बल नदी घाटी परियोजना के निम्नलिखित उद्देश्य हैं :-</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. चम्बल की विनाशकारी लीला को समाप्त करना। 2. सिंचाई के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र एवं सिंचाई साधनों में वृद्धि करना। 3. पेयजल में वृद्धि करना। 4. उद्योगों, कृषि, घरेलू कार्यों में लाभ प्राप्त करना। <p>iii) <u>निर्मित बाँध :-</u> चम्बल नदी घाटी परियोजना के अन्तर्गत निम्नलिखित बाँध निर्मित हैं :-</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. <u>गाँधी सागर बाँध :-</u> गाँधी सागर बाँध का निर्माण मध्य-प्रदेश में चौरासीगढ़ के समीप निर्मित है। इसकी दो शाखाएँ हैं - <p>i) बायी शाखा → धूँदी की ओर प्रवाहित।</p>



परीक्षक द्वारा प्रश्न अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	ii)	दायी शाखा \Rightarrow पार्वती नदी को पार कर मध्य-प्रदेश की ओर प्रवाहित।
	iii)	जवाहर सागर :- जवाहर सागर बाँध राजस्थान में निर्मित गाँधी सागर के बाद द्वितीय स्थान पर है।
	iii)	शणा प्रताप सागर :- शणा प्रताप सागर बाँध चित्तौड़गढ़ के समीप चूलिया नामक स्थान पर निर्मित है।
	iv)	कोल बैराज :- कोल बैराज (राजस्थान) कोल में निर्मित है। इसके परिणामस्वरूप कोल में सिंचाई सुविधा सुदृढ़ हुई है।
	iv)	लाभ :- चम्बल नदी घाटी परियोजना के लाभ निम्न अग्रलिखित हैं। 1. चम्बल परियोजना द्वारा औद्योगिक विकास व सिंचाई व्यवस्था सुदृढ़ हुई है। 2. राजस्थान में जल विद्युत उत्पादन चम्बल के कारण ही सुनिश्चित हो पाया है। 3. चम्बल नदी के कारण सरकार को भी अप्रत्यक्ष रूप से लाभ प्राप्त होती है। 4. चम्बल नदी पूर्वी राजस्थान के सामाजिक, आर्थिक, औद्योगिक विकास में सहायक प्रभावित हुई है।

परीक्षार्थी उत्तर

पत्रक द्वारा दत्त अंक	प्रश्न संख्या
--------------------------	------------------



चित्र - यमुना नदी घाटी परियोजना

समाप्त



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSEB 1602019

Handwritten signature and text in red ink, possibly a date or name.



परीक्षार्थी उत्तर

प्रश्न संख्या

BSEB-16/2019

